और राज्य में नई इकाइयों स्थापित करने हेतु कोई योजना केन्द्रीय सरकार को भेजी है ; यदि हां, तो केन्द्रीय सरकार को ये प्रस्ताव कब प्राप्त हुए थे और उसने उन पर क्या कार्यवाही की है।

(ग) सरकार ऐसी इकाइयों को जिनका निर्धारित जीवन काल समाप्त हो चुका है, बदलने में किन किन कठिनाईयों का सामना कर रही है; और

(घ) वर्ष 1990-91 और 1992-93 के दौरान अन्य राज्यों में ऐसी ही कितनी इकाइयों को बदला गया है और ऐसी इकाइयों को बदलने के कार्य पर अन्य राज्यों और मध्य प्रदेश में क्रमशः व्यय की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री श्री पी० वी० रंगैया नायडू : (क) से (घ) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी :

कपड़े का उत्पादन

2043. **श्रीमती सुषमा स्वराज :**
डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :

क्या **वस्त्र** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कपड़ा बनाने से संबंधित कार्य मुख्य रूप से तीन क्षेत्रों, अर्थात् कपड़ा मिलों, विद्युत करघों और हथकरघों द्वारा किया जाता है ;

(ख) यदि हां, तो इन तीन क्षेत्रों में कपड़े का वार्षिक औसत उत्पादन कितना है ;

(ग) तीनों क्षेत्रों में अलग-अलग कितने व्यक्ति कार्य करके अपनी रोजी-रोटी कमाते है ;

(घ) क्या सरकार ने कपड़े का उत्पादन बढ़ाने और इन तीनों क्षेत्रों में गुणवत्ता संबंधी सुधार करने हेतु कोई अध्ययन कराया है ;

(ङ) यदि हां, तो इस संबंध में किन-किन क्षेत्रों में विकास की संभावनाएं है; और

(च) आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में कपड़े के उत्पादन के संबंध में सरकार ने क्या-क्या लक्ष्य निर्धारित किये हैं और प्रत्येक क्षेत्र में कितना पूंजी निवेश किये जाने की आवश्यकता है?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जी० वेंकट स्वामी) : (क) जी हां।

(ख) वर्ष 1992-93 (अनन्तिम) कपड़े का उत्पादन निम्नोक्त अनुसार था :

	(मि० वर्ग मीटर)
मिल क्षेत्र	2255
हथकरघा क्षेत्र	4255
विद्युतकरघा क्षेत्र	16630

(ग) वर्ष 1991-92 के दौरान इन तीन क्षेत्रों में रोजगार निम्नोक्त अनुसार था :

मिल क्षेत्र	10.56 लाख
हथकरघा क्षेत्र	100.00 लाख
विद्युतकरघा क्षेत्र	57.29 लाख

(घ) तथा (ङ) जी नहीं, तथापि, सरकार उद्योग के इन सभी तीनों क्षेत्रों के अपने अपने सहज बल को ध्यान में रखते हुए उनका विकास करने के प्रति कटिबद्ध है।

(च) आठवीं पंचवर्षीय योजना के अन्तिम वर्ष तक इन तीनों क्षेत्रों में कपड़े के उत्पादन का निम्नोक्त अनुमान लगाया गया है :—

	(मि० वर्ग मीटर)
मिल क्षेत्र	4150
विद्युतकरघा क्षेत्र	18000
हथकरघा क्षेत्र	7000

योजना आयोग ने वस्त्र क्षेत्र के लिए 1008 करोड़ रु० के योजना परिव्यय

का अनुमोदन किया है जिसमें यह तीनों क्षेत्र भी शामिल हैं।

कपास के संबंध में अनुसंधान और विकास कार्य

2044. **श्रीमती सुषमा स्वराज :**
डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :

क्या **वस्त्र** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में प्रतिवर्ष उत्पादित होने वाली कपास और उसके उत्पादों का मूल्य लगभग 7,100 करोड़ रुपये होता है :

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि कपास के विकास और कपास को प्रसंस्कृत करके उत्पादित की जाने वाली अन्य वस्तुओं के विकास एवं विस्तार हेतु किये जाने वाले अनुसंधान और विकास कार्य पर केवल 6 करोड़ रुपये खर्च किये जाते हैं ;

(ग) यदि नहीं, तो इस संबंध में तथ्य क्या हैं ;

(घ) क्या यह सच है कि देश में वस्त्र उद्योग के विकास और विस्तार हेतु पर्याप्त संभावनाएं विद्यमान है ;

(ङ) यदि हां, तो क्या इस उद्योग को अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में सर्वापरि बनाने हेतु नए अन्वेषणों के आधार पर कोई लक्ष्य निर्धारित किये गये हैं और कार्यक्रम तैयार किया जा रहा है ; और

(च) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जी० वेंकट स्वामी) : (क) वर्ष 1992-93 में उत्पादित गैर-ओटाई वाली कपास का मूल्य लगभग 6,600 करोड़ रु० होगा। मूल्य के रूप में सूती यार्न तथा सूती कपड़े के उत्पादन क्रमश : लगभग 10009 करोड़ रु० तथा 45,316 करोड़ रु० होगा।

(ख) और (ग) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आई सी ए आर) के माध्यम से कृषि मंत्रालय द्वारा वर्ष 1992-93 के दौरान कपास की वृद्धि के लिए हुए अनुसंधान तथा विकास कार्य पर 595.937 लाख रु० मूल्य की राशि खर्च की गई। वर्ष 1992-93 के दौरान मंत्रालय द्वारा प्रायोजित परियोजनाओं के लिए वस्त्र मंत्रालय द्वारा सूती वस्त्र अनुसंधान संघ को 373 लाख रु० मूल्य की सहायता प्रदान की गई।

(घ) जी हां।

(ङ) आठवीं पंचवर्षीय योजना अवधि के दौरान यार्न और कपड़े दोनों के उत्पादन के लिए लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। उदारीकरण उपाय शुरु करने, सरकार की लाइसेंस संबंधी नीति समाप्त करने, ई पी सी जी योजना, शत प्रतिशत निर्यातोन्मुख एककों की स्थापना करने तथा उत्पाद तथा आयात शुल्क में संशोधन करने जैसे नीतिगत हस्ताक्षेप करने से वस्त्र उद्योग का विकास सुनिश्चित हुआ है।

(च) प्रश्न नहीं उठता।

वस्त्र उद्योग का आधुनिकीकरण

2045. **डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :** क्या **वस्त्र** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि आठवीं पंचवर्षीय योजना के अंतर्गत योजना आयोग ने वस्त्र उद्योग के आधुनिकीकरण के लिए 1500 करोड़ रुपये की धनराशि आवंटित की है ;

(ख) यदि हां, तो कुल आवंटित राशि में से कपड़ा मिलों, विद्युतकरघा